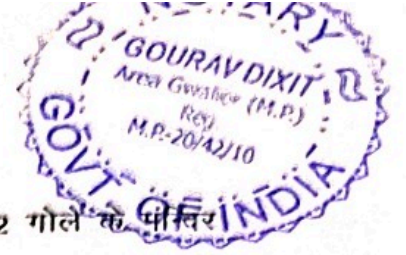


!!श्री!!

विक्रय अनुबंध पत्र रटाम्प कीमत 1000/-रुपये

विक्रेता:-

1. ब्रजेश रावसेना पुत्र रत्नश्री जगन्नाथ रावसेना
निवासी- मकान न.154 अमलतारा कॉलोनी फेरा-2 गोले के मन्दिर
ग्वालियर म.प्र.
2. अजीत सिंह राजपूत पुत्र श्री अमृतलाल राजपूत
निवासी - बी-11 हनुमान कॉलोनी गोले का मन्दिर ग्वालियर म.प्र.
3. अनिल यादव पुत्र श्री हेतम सिंह यादव
निवासी- सागर विहार कॉलोनी सागर ताल ग्वालियर म.प्र.



.....पक्षकार क्रमांक 1

क्रेता:-

जसवीर कौर पत्नी श्री जोगेन्द्र सिंह
निवासी - सागर ताल मल्टी आनंद नगर ग्वालियर म.प्र.

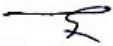
.....पक्षकार क्रमांक 2

यह कि, मुझ पक्षकार क्रमांक 1 के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य का एक अचल संपत्ति प्लॉट ग्राम डांग गुठिना पटवारी हल्का नंबर 102 ब्रज विहार कॉलोनी तहसील मुरार व जिला ग्वालियर म0प्र0 में स्थित है। जिसका प्लॉट क्रमांक.29 का भाग है। जिसका उक्त भूमि सर्वे क्रमांक 1 कुल रकबा 0.9610 हेक्टेयर है। जिसका कुल क्षेत्रफल 767 वर्गफीट अर्थात् 71.28 वर्गमीटर है। जो कि मुझ पक्षकार क्रमांक 02 को विक्रय करना तय पाया गया है।

यहकि उक्त संपत्ति आज दिनांक तक कही भी रहन, वय, दान, हिवा बंधक आदि न होकर हर प्रकार ऋण भार झगडो व टंटो से पाक व साफ है। जिसे विक्रय करने का मुझ पक्षकार क्रमांक 01 को पूर्ण अधिकार प्राप्त है। जिसकी चतुरसीमा निम्नानुसार है।

पूर्व में	—	रास्ता आम
पश्चिम में	—	कृषि भूमि
उत्तर में	—	पंठित जी का मकान
दक्षिण में	—	प्लॉट पंठित जी

ATTESTED


GOURAV DIXIT
Notary
Morar, Gwalior (M.P.)

//1//



यह कि पक्षकार कं 1 को घर खर्च के लिये रुपये की आवश्यकता है। इस कारण पक्षकार कं 1 ने पक्षकार कं 2 को उक्त प्लॉट को कुल 12,00,000/- दस लाख रुपये में विक्रय करना तय किया है। जिसकी अग्रिम राशि के रूप में 20,000/- बीस हजार रुपये नगद समक्ष गवाहान पक्षकार क्रमांक 02 ने पक्षकार क्रमांक 01 को अदा कर दिये है। आज दिनांक से 6 माह की अवधि में वक्त वयनामा के समय पक्षकार क्रमांक 1 को पक्षकार क्रमांक 2 अदा करके अपने नाम से या अपने बताये किसी अन्य व्यक्ति के नाम से रजि0 विक्रय पत्र सम्पादित करा लेगा तथा रजि0 विक्रय पत्र का समस्त खर्चा पक्षकार क्रमांक 2 वहन करेगा।

यह कि, इस अनुबंध विक्रय पत्र की समस्त शर्तें दोनों पक्षकारों पर तथा उनके वारिसानों पर पूर्ण रूप से प्रभावशील होगी। यदि कोई भी पक्षकार इस अनुबंध विक्रय पत्र की किसी भी शर्त का उल्लंघन करता है तो उस दशा में दुःखी पक्षकार को त्रुटि करने वाले पक्षकार के विरुद्ध न्यायालयीन कार्यवाही करने का अधिकार होगा और उस दशा में न्यायालयीन कार्यवाही का खर्चा त्रुटि करने वाले पक्षकार वहन करेगा।

अतः यह लिखतम अनुबंध विक्रय पत्र हम पक्षकारान ने सचेत अवस्था में बिना किसी दबाव के बिना किसी नशे पत्ते के पूर्ण रूप से सोच समझकर सुनकर पढ़कर संपादित कर दिया कि प्रमाण रहे व समय पर काम आवे।

दिनांक :

स्थान : ग्वालियर (मोप्र0)

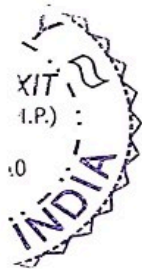
हस्ताक्षर पक्षकार क्रमांक 1 विक्रेता

हस्ताक्षर पक्षकार कं. 2 केता

गवाहान

3

4



ATTESTED

GOURAV DIXIT
Notary
Morar, Gwalior (M.P.)

// 2 //



भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100



सत्यमेव जयते

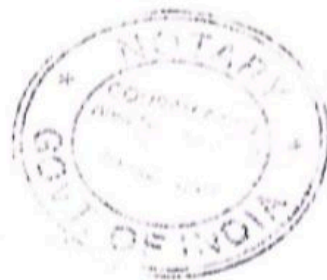
ONE
HUNDRED RUPEES

भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL



मध्य प्रदेश MADHYA PRADESH

DC 285939



ATTESTED

GOURAV DIXIT
Notary
Morar, Gwalior (M.P.)